A.C.-05.07.2025
Appendix-42

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. पत्रकारिता (हिंदी)

दिल्ली विश्वविद्यालय

	DSC (3 DSC) 4 Credits Each		**Pool of DSE** (2 DSE or 1 DSE + 1GE) 4 Credits Each	**Pool of SBC** (1 SBC) 2 Credits	**Pool of GE** (1 GE) 4 Credits [Offered by the Department of Hindi related to MA Patrakarita (Hindi) Course for all the PG courses other than MA Patrakarita (Hindi).]
सेमेस्टर - 1	DSC-1	भारत में पत्रकारिता का इतिहास	भारत में मुद्रण तकनीक का विकास	रेडियो प्रोग्रामिंग	भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और मीडिया
	DSC-2	जनसंचार सिद्धांत और व्यवहार	फोटो पत्रकारिता	पत्रकारिता में अनुवाद	पत्रकारिता और भारतीयता
	DSC-3	समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग	हिंदी पत्रकारिता की भाषा और शैली	पटकथा लेखन	फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता
			पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता		

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-1 – DSC-1

भारत में पत्रकारिता का इतिहास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-1 **भारत में पत्रकारिता का इतिहास**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- ➢ पत्रकारिता के ऐतिहासिक विकास और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका को समझना।
- ➢ स्वतंत्रता संग्राम और स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्रकारिता की भूमिका को समझना।
- ➢ जनसंचार के पारंपरिक और नवीन माध्यमों की कार्यप्रणाली से परिचित होना।
- ➢ मीडिया में नैतिकता, नियमन और सामाजिक उत्तरदायित्व को समझना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- ➢ विद्यार्थी पत्रकारिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे ।
- ➢ स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख पत्रकारों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे ।
- ➢ स्वातंत्र्योत्तर भारत में मीडिया के योगदान को पहचान सकेंगे ।
- ➢ इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के स्वरूप व प्रभाव को समझ सकेंगे ।

इकाई 1 : भारतीय पत्रकारिता **(9 घंटे)**

- पत्रकारिता की परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
- पत्रकारिता का विकास : वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भारत में पत्रकारिता की परंपरा – हिंदी और भाषाई

इकाई 2 : स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- श्री अरविंद
- बाल गंगाधर तिलक
- महात्मा गांधी
- डॉ. भीमराव अंबेडकर

इकाई 3 : स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- भारत के नवनिर्माण की पत्रकारिता
- प्रतिरोध की पत्रकारिता

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय 23/5/

- पत्रकारिता में रचनात्मक प्रयोग
- राष्ट्रीय धारा की पत्रकारिता

इकाई 4 : जनसंचार और नया मीडिया **(12 घंटे)**

- रेडियो और दूरदर्शन
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : निजी उपक्रम
- सोशल मीडिया
- मीडिया में नियमन

व्यावहारिक कार्य (15 घंटे)

- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर समाचार पत्रों की तुलना : एक रिपोर्ट।
- पत्रिकाओं की भाषा एवं सामग्री का अध्ययन।
- पत्रकारिता के इतिहास पर आधारित लघु डॉक्यूमेंट्री या पोस्टर प्रज़ेंटेशन तैयार करना।
- स्वतंत्रता पूर्व किसी पत्रकार की जीवनी पर रिपोर्ट तैयार करना

सहायक ग्रन्थ :

1. तिवारी, डॉ. रामजी; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. विद्यार्थी, गणेश शंकर; भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, मनोज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रभाकर, विष्णु; गांधी और पत्रकारिता, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वैदिक, डॉक्टर वेद प्रताप; हिंदी पत्रकारिता: विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर
6. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रिका का इतिहास, प्रभात प्रकाशन
7. भार्गव, जी. एस; भारत में प्रेस, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
8. जेफरी, रॉबिन; भारत की समाचारपत्र क्रांति, भारतीय जनसंचार संस्थान
9. जोशी, रामशरण; मीडिया और बाजारवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन
10. बेचैन, श्यौराज सिंह; अम्बेडकर, गांधी और हिंदी दलित पत्रिका, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली
11. कुमार, विजेंद्र; हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, नटराज प्रकाशन
12. राजकिशोर; पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. नटराजन, जे; भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, प्रकाशन विभाग

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – DSC-2
जनसंचार सिद्धांत एवं व्यवहार

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 2 जनसंचार सिद्धांत एवं व्यवहार	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- जनसंचार के सिद्धांतों और अवधारणाओं की मूलभूत समझ प्रदान करना।
- संचार माध्यमों के विकास, स्वरूप और प्रभाव का अध्ययन करवाना।
- विभिन्न जनसंचार सिद्धांतों को वर्तमान मीडिया के परिप्रेक्ष्य में लागू करके सिखाना।
- राज्य व्यवस्था और मीडिया के संबंधों की समझ विकसित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी जनसंचार के प्रमुख सिद्धांतों की स्पष्ट समझ प्राप्त करेंगे।
- परंपरागत और आधुनिक मीडिया माध्यमों की विशेषताओं और उनके उपयोग को जान सकेंगे।
- संचार प्रक्रिया और प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- भारतीय राज्य व्यवस्था की संरचना और उसमें मीडिया की भूमिका को समझ सकेंगे।
- समकालीन संचार तकनीकों जैसे सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और AI की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई 1: संचार की अवधारणाएं **(9 घंटे)**

- संचार की परिभाषा, प्रकृति और महत्व
- संचार प्रक्रिया: स्रोत, संदेश, चैनल, ग्रहणकर्ता, फीडबैक
- संचार के प्रकार: परस्परता, सीढ़ीनुमा (Hierarchal), क्षैतिज (Horizontal) – नेटवर्किंग, ऊर्ध्वाधर (Vertical)

इकाई 2 : जनसंचार सिद्धांत **(12 घंटे)**

- सीधा कथन (बुलेट थ्योरी), उपयोगितावाद (टू-स्टेप फ्लो)
- नैरेटिव, मौनभाव (स्पाइरल ऑफ साइलेंस), सांस्कृतिक पक्ष
- सूचना समाज का सिद्धांत और यथार्थ
- मीडिया का समाज पर प्रभाव

इकाई 3 : संचार माध्यमों की संरचना और कार्यप्रणाली **(12 घंटे)**

- छपे शब्दों का जादू : समाचार पत्र और पत्रिकाएँ
- आकाशवाणी और प्रसार भारती
- निजी टेलीविज़न चैनल

- नया मीडिया: सोशल मीडिया, डिजिटल-वेब जर्नलिज़्म, पॉडकास्ट, कृत्रिम मेधा (AI)

इकाई 4 : मीडिया और राज्य व्यवस्था **(12 घंटे)**

- भारतीय राज्य व्यवस्था का स्रोत : भारतीय संविधान
- भारतीय राज्य व्यवस्था का स्वरूप
- राज्य व्यवस्था का क्रमिक विकास : संघीय, एकात्मक, विकेन्द्रीकरण
- राज्य व्यवस्था के समक्ष शेष प्रश्न : आदर्श एवं चुनौतियाँ

व्यावहारिक कार्य : (15 घंटे)

- संचार प्रक्रिया का चार्ट बनाना और केस स्टडी प्रस्तुत करना।
- किसी जनसंचार सिद्धांत पर समूह चर्चा या प्रेजेंटेशन।
- विभिन्न मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की संरचना और कार्यप्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
- संविधान में वर्णित मीडिया की स्वतंत्रता पर रिपोर्ट तैयार करना।
- AI या डिजिटल टूल्स का उपयोग कर एक लघु मीडिया प्रोजेक्ट बनाना (जैसे पॉडकास्ट या ब्लॉग)।

सहायक ग्रन्थ :

1. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी; प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जोशी, डॉ. कमलेश; जनसंचार के सिद्धांत; यश पब्लिकेशन, दिल्ली
3. अग्रवाल, डॉ. विजय; संचार और जनसंचार; किट्स पब्लिकेशन, दिल्ली
4. भानावत, डॉ. संजीव; पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम;यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर
5. पातंजलि, डॉ. प्रेमचंद;संचार सिद्धांत की रूपरेखा; के. एल. पचौरी प्रकाशन
6. धूलिया, सुभाष और प्रधान,आनंद; समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया; भारतीय जनसंचार संस्थान प्रकाशन
7. ओझा, डी. डी.;दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी; ज्ञानगंगा प्रकाशन
8. विलियम्स,रेमंड;संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र; ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
9. कश्यप,श्याम और कुमार, मुकेश; टेलीविजन की कहानी ; वाणी प्रकाशन
10. Croteau, David & Hoynes, William; Media and Society, Pine Forge Press, California
11. McQuail, Denis; Mass Communication Theory, Sage Publications, London
12. McLuhan, Marshall; Understanding Media: The Extensions of Man, MIT Press, Cambridge

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – DSC-3
समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC -3 **समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- समाचार की परिभाषा, तत्वों एवं प्रकारों की बुनियादी समझ प्रदान करना।
- रिपोर्टिंग के सिद्धांतों और तकनीकों से छात्रों को अवगत करवाना।
- समाचार एकत्रीकरण, पुष्टि और प्रस्तुति की व्यावहारिक क्षमता विकसित करना।
- आधुनिक डिजिटल युग में रिपोर्टिंग के तकनीकी आयामों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी समाचार की मूलभूत अवधारणा एवं संरचना को समझ सकेंगे।
- रिपोर्टिंग करते समय तथ्य-जांच, निष्पक्षता एवं संतुलन जैसे सिद्धांतों का प्रयोग करना सीखेंगे।
- रिपोर्टिंग के विभिन्न प्रकारों में समाचार एकत्र करने और प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
- बीट रिपोर्टिंग से लेकर आपदा व युद्ध जैसी जटिल स्थितियों की रिपोर्टिंग तक का अभ्यास कर सकेंगे।
- डिजिटल और मोबाइल पत्रकारिता जैसे आधुनिक उपकरणों का प्रयोग कर रिपोर्ट तैयार कर सकेंगे।
- विद्यार्थी फोटो पत्रकारिता के माध्यम से दृश्य संप्रेषण का प्रभाव समझ सकेंगे।

इकाई 1 : समाचार **(9 घंटे)**

- परिभाषा, तत्व (5W1H), गुण
- मूल्य और महत्व
- समाचार और दृष्टिकोण
- समाचार के स्रोत और सत्यापन

इकाई 2 : रिपोर्टिंग के सिद्धांत और शैली **(12 घंटे)**

- रिपोर्टर का दायित्व
- तटस्थता, संतुलन, सटीकता
- रिपोर्टिंग की शैली: औपचारिक, वर्णनात्मक, चित्रात्मक, रोचक, नाटकीय, मानवीय
- रिपोर्ट की संरचना : आमुख (Lead) और मुख्य हिस्सा (Body), स्टोरी का शिल्प

इकाई 3 : समाचार रिपोर्टिंग के प्रकार **(12 घंटे)**

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

- बीट रिपोर्टिंग
- घटनास्थल की रिपोर्टिंग (on-the-spot), हार्ड न्यूज एवं सॉफ्ट न्यूज
- प्रेस कॉन्फ्रेंस, ब्रीफिंग, साक्षात्कार
- प्राकृतिक आपदा, युद्ध, दुर्घटना आदि की रिपोर्टिंग

इकाई 4 : नई तकनीक के दौर में रिपोर्टिंग **(12 घंटे)**

- डिजिटल मीडिया
- सोशल मीडिया
- मोबाइल पत्रकारिता (MoJo)
- फोटो जर्नलिज़्म

व्यावहारिक कार्य (Practical Assignments): (15 घंटे)

- स्थानीय घटना पर रिपोर्ट तैयार करना (100-200 शब्दों में)।
- एक प्रेस विज्ञप्ति को समाचार रिपोर्ट के रूप में बदलना।
- एक राजनीतिक/खेल/शैक्षणिक कार्यक्रम को कवर करना और रिपोर्ट लिखना।
- दो समाचार पत्रों की हेडलाइन तुलना कर समाचार प्रस्तुति का विश्लेषण।
- फील्ड विज़िट करके ऑन-द-स्पॉट रिपोर्टिंग अभ्यास (जैसे कॉलेज कार्यक्रम)।

सहायक ग्रन्थ :

1. जोशी, प्रभाष; विनोबा दर्शन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जोशी, प्रभाष; ओटन लगे कपास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. त्रिखा, नंदकिशोर; समाचार संकलन और लेखन, हिंदी समिति उत्तर प्रदेश
4. देव, हर्ष; क्राइम रिपोर्टर, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
5. भगत, अरुण कुमार; हिंदी की आधुनिक पत्रकारिता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
6. हरिमोहन; समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला, तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
7. भीष्मपाल, एच; खोजी पत्रकारिता, प्रकाशन विभाग
8. कुलश्रेष्ठ, विजय; साइबर पत्रकारिता; राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
9. माथुर, राजेन्द्र; सपनों में बनता देश, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
10. पांडेय, रामेश्वर; समाचार लेखन एवं रिपोर्टिंग, गोविंद प्रकाशन, प्रयागराज
11. सिंह, डॉ. श्रीकांत; पत्रकारिता सिद्धांत एवं व्यवहार, राष्ट्रीय पुस्तक भवन, दिल्ली
12. नन्दा, वर्तिका; टेलिविज़न और क्राइम रिपोर्टिंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. Mencher, Melvin; News Reporting and Writing, McGraw-Hill, New York
14. Fedler, Fred; Reporting for the Media, Pearson, Boston

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-1 – DSE

भारत में मुद्रण तकनीक का विकास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारत में मुद्रण तकनीक का विकास	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को भारत में मुद्रण तकनीक के ऐतिहासिक विकास को समझाना।
- पारंपरिक और आधुनिक मुद्रण तकनीकों में अंतर की पहचान करवाना।
- समाचार पत्र और प्रकाशन जगत में मुद्रण तकनीक की भूमिका का अध्ययन।
- डिजिटल प्रिंटिंग और अन्य नवाचारों की समसामयिक जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारत में मुद्रण तकनीक के इतिहास और विकास को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
- विभिन्न मुद्रण तकनीकों (लेटरप्रेस, ऑफसेट, डिजिटल आदि) का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के प्रिंट प्रोडक्शन में प्रयुक्त तकनीकों को समझेंगे।
- एक सरल मुद्रण परियोजना की योजना बनाने और उसका क्रियान्वयन करने में सक्षम होंगे।

इकाई 1 : मुद्रण तकनीक का इतिहास **(9 घंटे)**

- मुद्रण का विश्व इतिहास: गुटेनबर्ग से आधुनिक प्रिंटिंग तक
- भारत में मुद्रण का आगमन – 16वीं सदी से 19वीं सदी तक
- प्रारंभिक मुद्रण संस्थान: हिक्की गजट, बंबई समाचार
- मुद्रण और भारतीय पुनर्जागरण

इकाई 2 : आधुनिक मुद्रण तकनीकों का विकास **(12 घंटे)**

- लेटरप्रेस, लिथोग्राफी और ऑफसेट प्रिंटिंग
- टाइपफाउंड्री और फॉन्ट विकास
- प्रिंटिंग मशीन की तकनीक का क्रमिक विकास
- मुद्रण में अत्याधुनिक तकनीक

इकाई 3 : मुद्रण तकनीक और भारतीय मीडिया **(12 घंटे)**

- समाचार पत्रों के विकास में मुद्रण तकनीक का योगदान
- समाचार पत्रों की प्रारंभिक मुद्रण तकनीक
- जब समाचार पत्र रंगीन हुए
- प्लेट मेकिंग एवं वेब प्रेस

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

- भारतीय भाषाओं में मुद्रण की चुनौतियां

इकाई 4 : समकालीन मुद्रण और डिजिटल युग **(12 घंटे)**

- डिजिटल प्रिंटिंग और ऑन-डिमांड प्रिंट
- पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर (InDesign, CorelDraw, QuarkXPress)
- ई-बुक्स, पीडीएफ और स्मार्ट प्रिंटिंग
- पर्यावरणीय प्रभाव और हरित मुद्रण (Green Printing)

व्यावहारिक कार्य : (15 घंटे)

- स्थानीय प्रिंटिंग प्रेस या समाचार पत्र प्रेस का भ्रमण और रिपोर्ट तैयार करना।
- विभिन्न मुद्रण तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण पर प्रोजेक्ट।
- Adobe InDesign या Canva का प्रयोग करके एक पृष्ठ डिज़ाइन तैयार करना।
- एक लघु समाचार पत्र या ब्रोशर की योजना और डमी निर्माण।
- प्रिंटिंग संबंधी पारिभाषिक शब्दावली का फ्लैश कार्ड बनाना।

सहायक ग्रन्थ :

1. पोतेदार, वसंत; भारतीय मुद्रण का इतिहास, महाराष्ट्र राज्य साहित्य और संस्कृती मंडळ, मुंबई
2. मिश्रा, अरुण; मुद्रण तकनीक और मीडिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. Bann, David; Print Production Handbook, RotoVision, Hove
4. Eisenstein, Elizabeth; The Printing Revolution in Early Modern Europe, Cambridge University Press, Cambridge
5. Anand, R. D.; Offset Printing Technology, Offset Printers Association, Ludhiana

ऑनलाइन स्रोत :

- Directorate of Printing, Govt. of India
- Indian Newspaper Society (INS) Publications

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली-7

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – DSE
फोटो पत्रकारिता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **फोटो पत्रकारिता**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को फोटो पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और इतिहास से परिचित करवाना।
- कैमरा तकनीक, फ्रेमिंग, रोशनी और रचना के व्यावहारिक पहलुओं को सिखाना।
- समाचार और घटनाओं की प्रभावशाली दृश्य प्रस्तुति की योग्यता विकसित करना।
- फोटो संपादन और प्रकाशन की नैतिकता और विधियों की समझ प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- फोटो पत्रकारिता के इतिहास और महत्व को समझ सकेंगे।
- कैमरा संचालन, फोटो कैप्शनिंग और स्टोरीटेलिंग में दक्ष हो सकेंगे।
- विभिन्न बीट (राजनीतिक, सामाजिक, आपदा, खेल) की फोटोग्राफी कर सकेंगे।
- फोटो चयन, संपादन और प्रकाशन के लिए तकनीकी और नैतिक निर्णय ले सकेंगे।

इकाई 1: फोटो पत्रकारिता का परिचय **(9 घंटे)**

- विश्व में फोटो पत्रकारिता का इतिहास
- भारत में फोटो पत्रकारिता का इतिहास
- युद्ध के दिनों में चर्चित फोटो पत्रकारिता : महत्व एवं प्रभाव
- प्रसिद्ध फोटो पत्रकार (राजा दीनदयाल, रघु राय आदि)

इकाई 2 : कैमरा और तकनीकी ज्ञान **(12 घंटे)**

- कैमरा प्रकार: DSLR, Mirrorless, मोबाइल
- अपर्चर, शटर स्पीड, ISO का उपयोग
- कंपोज़िशन के नियम: Rule of Thirds, फ्रेमिंग, लाइटिंग
- इवेंट और स्पॉट फोटोग्राफी के सिद्धांत

इकाई 3: फोटो समाचार और स्टोरीटेलिंग **(12 घंटे)**

- एक तस्वीर जो कहानी कहती है
- बीट की फोटो पत्रकारिता
- फोटो पत्रकारिता के विविध आयाम (निबंध, फीचर, यात्रा वृत्तांत, पर्यटन, मनोरंजन आदि)
- शीर्षक लेखन (कैप्शन)

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई 4 : फोटो एडिटिंग और प्रकाशन (12 घंटे)

- Adobe Lightroom/Photoshop का उपयोग
- फोटो चयन के संपादकीय मानदंड
- नैतिकता: डिजिटल छेड़छाड़, निजता, संवेदनशीलता
- फोटो जर्नलिस्ट की कानूनी जिम्मेदारियाँ

व्यावहारिक कार्य : (15 घंटे)

- किसी स्थानीय कार्यक्रम या रैली की फोटोग्राफिक रिपोर्ट तैयार करना।
- एक फोटो निबंध बनाना (5-7 तस्वीरें + कैप्शन)
- "Before & After Editing" फोटो प्रस्तुति।
- किसी सामाजिक विषय (जैसे – सफाई, यातायात, जल संकट) पर विज़ुअल स्टोरी बनाना।
- न्यूज़पेपर या ऑनलाइन पोर्टल की फोटो प्रस्तुति का विश्लेषण।

सहायक ग्रन्थ :

1. गौतम, डॉ. राजेश; फोटो पत्रकारिता के सिद्धांत, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
2. देशमुख,यशवंत; प्रभावशाली फोटोग्राफी के नियम, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्लीजनसंचार के सिद्धांत – डॉ. कमलेश जोशी
3. गुप्ता, ओम; प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, कनिष्क प्रकाशन
4. मेहरा, रमेश; संचार और फोटो पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन
5. जायसवाल, नवल; फोटो पत्रकारिता, सामयिक प्रकाशन
6. कोठारी, गुलाब; प्रकाश लेखन और फोटो पत्रकारिता, पत्रिका प्रकाशन
7. देशपांडे, बी. के.; फोटो जर्नलिज्म, सोनाली पब्लिकेशन
8. सेठी, पंकज; फोटो जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, नवयुग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
9. Kenneth, Kobre; Photojournalism: The Professionals' Approach, Focal Press, New York
10. Block, Bruce; The Visual Story, Focal Press, New York

Online Resources :

- National Geographic Photo Essays
- Reuters Photo Blog
- Magnum Photos

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – DSE
हिंदी पत्रकारिता की भाषा और शैली

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **हिंदी पत्रकारिता की भाषा और शैली**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पत्रकारिता में हिंदी भाषा के विकास क्रम को समझना।
- पत्रकारिता के प्रकार और उसकी भाषा शैली (समाचार, संपादकीय, संपादक के नाम पत्र, घटना का ब्यौरा, आर्थिक मामलों की रिपोर्टिंग, प्रेस ब्रीफिंग, साक्षात्कार, फीचर आदि) का अध्ययन।
- हिंदी भाषा में नए प्रयोग और प्रश्न : इतिहास, वर्तमान और भविष्य का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी सरल और प्रभावी हिंदी लिख सकेंगे।
- हिंदी पत्रकारिता की भाषिक परंपरा और विकास को समझ सकेंगे।
- भाषा के प्रकार, स्वरूप और प्रस्तुति की शैली को विश्लेषित कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी पत्रकारिता की भाषा का विकास **(9 घंटे)**

- हिंदी पत्रकारिता की भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- प्रारंभिक हिंदी समाचार पत्रों की भाषा
- स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रयोग की गई भाषा
- हिंदी भाषा और बोलियों का अंतः संबंध

इकाई 2 : विचार की पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- विचार की पत्रकारिता का अर्थ एवं स्वरूप
- वैचारिक एवं व्यावसायिक पत्रकारिता में अंतर
- विचार की पत्रकारिता के प्रमुख उदाहरण (यंग इंडिया, केसरी, वंदेमातरम, पांचजन्य, Organiser)
- विचार की पत्रकारिता और समाज

इकाई 3 : साहित्य एवं संस्कृति की पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- साहित्यिक पत्रकारिता का इतिहास
- सांस्कृतिक पत्रकारिता का इतिहास
- सामग्री, लेखन, प्रस्तुति और प्रभाव

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

- समकालीन संदर्भ

इकाई 4 : नया मीडिया में बदलती भाषा **(12 घंटे)**

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
- डिजिटल मीडिया
- भाषा में नए चलन
- लिखने और बोलने की भाषा में अंतर – संस्कार, अर्थ और अनर्थ

व्यावहारिक कार्य : (15 घंटे)

- स्थानीय घटना पर रिपोर्ट तैयार करना (100-200 शब्दों में)।
- किसी प्रेस विज्ञप्ति को समाचार रिपोर्ट के रूप में बदलना।
- किसी राजनीतिक/खेल/शैक्षणिक कार्यक्रम को कवर करना और रिपोर्ट लिखना।
- दो समाचार पत्रों की हेडलाइन की तुलना कर समाचार प्रस्तुति का विश्लेषण।
- फील्ड विज़िट करके ऑन-द-स्पॉट रिपोर्टिंग अभ्यास (जैसे कॉलेज कार्यक्रम)।

सहायक ग्रन्थ

1. विलोचन, डॉ. नलिन; हिंदी पत्रकारिता: उद्भव और विकास, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिंह, राजीव; पत्रकारिता के सिद्धांत और लेखन शैली, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पांडेय, मृणाल; स्तंभ लेखन की कला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मेहता, आलोक; हिंदी पत्रकारिता: नई प्रवृत्तियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. दिनकर,रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. दुबे, श्यामचरण; मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-1 – DSE

पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE **पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पर्यावरणीय मुद्दों की रिपोर्टिंग की समझ और दृष्टिकोण प्रदान करना।
- पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता की आवश्यकता को समझना।
- पारिस्थितिकीय असंतुलन, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण जैसे विषयों की मीडिया में प्रस्तुति को समझाना।
- पर्यावरणीय नीतियों, आंदोलनों और न्याय के प्रति पत्रकार की भूमिका स्पष्ट करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- पर्यावरणीय मुद्दों को मीडिया में प्रस्तुत करने की विधियाँ समझ सकेंगे।
- पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता की आवश्यकता को समझ सकेंगे।
- जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, प्रदूषण जैसे मुद्दों की रिपोर्टिंग में आवश्यक डेटा और स्रोतों का उपयोग कर सकेंगे।
- सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में पर्यावरणीय विषयों पर संवेदनशील और जिम्मेदार पत्रकारिता कर सकेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता की अवधारणा **(9 घंटे)**

- पर्यावरण और पंचमहाभूत की परिभाषा एवं उनमें अंतर
- पर्यावरण और पंचमहाभूत : परंपरा और आधुनिकता
- पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता की आवश्यकता और उसके विभिन्न चरण

इकाई 2 : प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे और मीडिया **(12 घंटे)**

- जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई
- पारिस्थितिकी और प्रदूषण के विविध रूप
- पर्यावरणीय संकट : आपदाएँ
- पर्यावरण संरक्षण के लिए जन चेतना, विभिन्न प्रयास और बाधाएँ

इकाई 3 : डेटा और विज्ञान आधारित रिपोर्टिंग **(12 घंटे)**

- वैज्ञानिक शोध और रिपोर्ट्स की समझ
- पर्यावरणीय आँकड़ों का विश्लेषण और उपयोग
- RTI से प्राप्त तथ्य
- राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्ट एवं विभिन्न पर्यावरणीय संधियाँ (IPCC, UNEP, WWF, कोपेनहेगन सम्मेलन, मॉण्ट्रियल प्रोटोकॉल, पेरिस समझौता आदि।)

इकाई 4 : पर्यावरण : नीति, नीति आधारित कार्यक्रम, उनका क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन **(12 घंटे)**

- पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न अधिनियम
- भारत में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपक्रम : सरकारी एवं स्वैच्छिक प्रयास
- भारत में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उदाहरण
- मीडिया की निगरानी : कैसे और किस प्रकार

व्यावहारिक कार्य(15 घंटे)

- स्थानीय स्तर पर किसी पर्यावरणीय समस्या (जैसे- जल प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, वृक्ष कटाई) पर एक ग्राउंड रिपोर्ट तैयार करना।
- IPCC या UNEP जैसी रिपोर्टों से आँकड़े लेकर एक रिपोर्ट बनाना और उसमें ग्राफ/इन्फोग्राफिक्स शामिल करना।
- किसी पर्यावरणीय योजना (जैसे प्लास्टिक प्रबंधन, जल निकासी) से जुड़ी जानकारी के लिए RTI ड्राफ्ट तैयार करना।
- किसी एक समाचार पत्र या न्यूज़ चैनल में एक पर्यावरणीय मुद्दे की कवरेज का विश्लेषण।

सहायक ग्रन्थ :

1. वर्मा, डॉ. अलका; पर्यावरण और मीडिया, विश्व पुस्तक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. शर्मा, डॉ. शशिकांत; पर्यावरण पत्रकारिता के आयाम, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कौशिक, ए. और कौशिक, पी.सी.; पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य, न्यू एज प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली
4. त्रिपाठी, डॉ दया शंकर; पर्यावरण अध्ययन, मोतीलाल बनारसी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. राजगोपालन, आर; पर्यावरण अध्ययन- संकट से इलाज तक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
6. Hanson, Christopher; Environmental Journalism, CQ Press, Washington D.C.
7. Acharya, Keya & Noronha, Frederick; The Green Pen: Environmental Journalism in India and South Asia, Sage Publications, New Delhi

Reports & Resources:

1. UNEP (United Nations Environment Programme)
2. IPCC Reports (Intergovernmental Panel on Climate Change)
3. MOEF (Ministry of Environment, Forest and Climate Change – India)
4. Down to Earth Magazine (Centre for Science and Environment)

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-1 – SBC

रेडियो प्रोग्रामिंग (Radio Programming)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SBC **रेडियो प्रोग्रामिंग**	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	–

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को रेडियो माध्यम की कार्यप्रणाली और प्रोग्राम संरचना की बुनियादी जानकारी देना।
- विविध प्रकार के रेडियो कार्यक्रमों की रूपरेखा, स्क्रिप्टिंग और प्रस्तुति की समझ विकसित करना।
- क्रिएटिव ऑडियो कंटेंट निर्माण की दक्षता पैदा करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- रेडियो प्रोग्राम के स्वरूप, निर्माण और प्रसारण प्रक्रिया को समझ पाएंगे।
- तकनीकी उपकरणों (माइक्रोफोन, मिक्सर, रिकॉर्डर) का प्रयोग कर सकेंगे।
- एक संपूर्ण रेडियो शो का निर्माण और रिकॉर्डिंग करने में सक्षम होंगे।

इकाई 1 : रेडियो प्रोडक्शन और तकनीकी पक्ष **(12 घंटे)**

- स्टूडियो सेटअप, माइक तकनीक, साउंड रिकॉर्डिंग
- मिक्सिंग, एडिटिंग और ब्रॉडकास्टिंग प्रक्रिया
- सॉफ्टवेयर: Audacity / Adobe Audition का उपयोग
- 'मन की बात' - रेडियो का पुनरुत्थान : एक अध्ययन

इकाई 2 : व्यावहारिक कार्य (Practical Work) **(12 घंटे)**

- 5-7 मिनट का रेडियो फीचर या नाटक रिकॉर्ड कर प्रस्तुत करना।
- रेडियो समाचार बुलेटिन लिखना और पढ़ना।
- साक्षात्कार आधारित शो की स्क्रिप्टिंग और रिकॉर्डिंग।
- Audacity या अन्य ऑडियो सॉफ्टवेयर पर साउंड एडिटिंग अभ्यास।
- रेडियो जिंगल या पब्लिक सर्विस मैसेज तैयार करना।

सहायक ग्रन्थ :

1. द्विवेदी, संजय; रेडियो पत्रकारिता, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पांडेय, डॉ. बृजेश कुमार; रेडियो प्रोग्राम निर्माण कला, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. क्रिसेल,एंड्रयू; अंडरस्टैंडिंग रेडियो, क्रिसेल टेलर एंड ग्रुप पब्लिकेशन
4. हरिमोहन, डॉ.; रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता, तक्षशिला, नई दिल्ली
5. अवस्थी,जी.सी.; ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया, एलाइड पब्लिकेशन
6. गंगाधर,मधुकर; रेडियो लेखन, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

7. हरिमोहन, डॉ.; रेडियो जॉकीईंग की कला, तक्षशिला, दिल्ली
8. लूथरा, एच. के; इंडिया ब्रॉडकास्टिंग, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
9. मसानी, मेहरा; ब्रॉडकास्टिंग एंड द पीपुल्स, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
10. Chantler, Paul & Stewart, Peter; Basic Radio Journalism, Focal Press, Oxford
11. Boyd, Andrew; Broadcast Journalism: Techniques of Radio and TV News, Focal Press, Oxford
12. Thompson, Rick; Writing for Broadcast Journalists, Routledge, London

ऑनलाइन स्रोत:

- All India Radio Training Manual
- Radio City / Red FM Industry Blogs
- Community Radio Toolkit (CRTC)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – SBC
पत्रकारिता में अनुवाद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SBC **पत्रकारिता में अनुवाद**	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका को समझाना।
- अनुवाद के सिद्धांतों और व्यावसायिक भाषा की बारीकियों से परिचय कराना।
- समाचार, लेख, रिपोर्ट व फीचर के अनुवाद में दक्षता विकसित करना।
- पत्रकारिता में द्विभाषिक संप्रेषण के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- पत्रकारिता से संबंधित विभिन्न शैलियों के अनुवाद की तकनीक समझ पाएंगे।
- शब्द चयन, भावानुवाद और सांस्कृतिक अनुकूलन के महत्व को जान सकेंगे।
- समाचार, रिपोर्ट, इंटरव्यू, फीचर आदि के प्रभावी अनुवाद में दक्ष होंगे।
- समाचार पोर्टल, चैनलों व एजेंसियों के लिए अनुवाद आधारित कंटेंट तैयार कर सकेंगे।

इकाई 1 : सैद्धांतिक पक्ष (Theory) **(12 घंटे)**

- अनुवाद का अर्थ, प्रकार और पत्रकारिता में महत्व
- पत्रकारिता में अनुवाद की चुनौतियाँ – भाव, संदर्भ, शब्द चयन
- समाचार का अनुवाद: अर्थ की सटीकता बनाम शैली
- तकनीकी व विधिक शब्दावली का अनुवाद
- द्विभाषिक रिपोर्टिंग और बहुभाषिक मीडिया की ज़रूरत

इकाई 2 : व्यवहारिक कार्य (Practical Work) **(12 घंटे)**

- अंग्रेज़ी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेज़ी समाचार अनुवाद
- संपादकीय, लेख व फीचर का अनुवाद अभ्यास
- टीवी/रेडियो बुलेटिन स्क्रिप्ट का अनुवाद
- प्रेस विज्ञप्तियों, भाषणों और रिपोर्ट्स का रूपांतरण
- भारतीय समाचार एजेंसी (PTI/UNI/हिन्दुस्थान समाचार एवं अन्य) की भाषा शैली में अभ्यास

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

सहायक ग्रन्थ :

1. तिवारी, डॉ. हरिनारायण; पत्रकारिता में अनुवाद, किताब महल, इलाहाबाद
2. वर्मा, डॉ. रमेश कुमार; अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
3. मिश्रा, डॉ. प्रज्ञा; मीडिया अनुवाद: सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
5. नगेंद्र, डॉ.; अनुवाद विज्ञान: सिद्धान्त और अनुप्रयोग, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
6. सिंह, डॉ. दिलीप; अनुवाद की व्यापक संकल्पना, वाणी प्रकाशन
7. सिंघल, डॉ. सुरेश; अनुवाद: अवधारणा और आयाम, संजय प्रकाशन
8. Schäffner, Christina; Translating News; Multilingual Matters, Clevedon
9. Venuti, Lawrence; The Translator's Invisibility; Routledge, London
10. समाचार एजेंसी भाषा शैली गाइड (PTI Stylebook, BBC Editorial Guidelines)

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)

सेमेस्टर-1 – SBC

पटकथा लेखन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
SBC पटकथा लेखन	2	1	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को पटकथा लेखन की बुनियादी संरचना, तकनीक और शैली की समझ प्रदान करना।
- दृश्य माध्यमों (फ़िल्म, टीवी, वेब) के लिए कहानी, संवाद और दृश्य संरचना विकसित करने की क्षमता उत्पन्न करना।
- रचनात्मक लेखन, चरित्र विकास, और सिनेमाई कल्पना को प्रोत्साहित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- पटकथा की संरचना (Structure) और रूपरेखा (Format) को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे।
- चरित्र, संवाद और दृश्य सेटअप की रचना में कुशलता अर्जित करेंगे।
- फ़िल्म/टीवी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार पटकथा प्रस्तुत करना सीखेंगे।

इकाई 1 : पटकथा लेखन की प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- पटकथा लेखन का परिचय
- पटकथा के प्रकार: फ़िल्म, टीवी, वेब सीरीज़
- पटकथा लेखन का तकनीकी प्रारूप
- सजीव और यथार्थवादी संवादों का लेखन
- लेखन प्रक्रिया में संशोधन और प्रतिक्रिया

इकाई 2 : व्यावहारिक कार्य (Practical Work) **(12 घंटे)**

- लघु फिल्म (Short Film) की पटकथा लिखना (5–10 मिनट)।
- दिए गए कथानक पर एक दृश्य (Scene) विकसित करना।
- संवाद आधारित अभ्यास: दो पात्रों के बीच संवाद लेखन।
- किसी मौजूदा फ़िल्म का एक दृश्य स्क्रिप्ट में रूपांतर करना।
- सिनॉप्सिस और ट्रीटमेंट तैयार करना और कक्षा में प्रस्तुत करना।

सहायक ग्रंथ :

1. कपूर, रजत; पटकथा लेखन कला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. फ़िल्म पटकथा लेखन की कार्यशाला – FTII / NSD की पाठ्यसामग्री
3. Field, Syd; Screenplay: The Foundations of Screenwriting, Delta Publishing, New York
4. Truby, John; The Anatomy of Story, Faber & Faber, London
5. McKee, Robert; Story: Substance, Structure, Style and the Principles of Screenwriting, Regan Books, New York

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

Pool of GE

(1 GE)

4 Credits

[Offered by the Department of Hindi related to MA Patrakarita (Hindi) Course for all the PG courses other than MA Patrakarita (Hindi).]

सेमेस्टर – 1	**भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और मीडिया**
	पत्रकारिता और भारतीयता
	फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

स्नातकोत्तर

सेमेस्टर-1 – GE

भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE **भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और मीडिया**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भारतीय समाज की विविधता, संरचना और सांस्कृतिक विशेषताओं को समझाना।
- भारतीय संस्कृति में मीडिया के योगदान को समझना।
- सामाजिक परिवर्तन और आधुनिकता के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारत की सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक विविधता एवं एकात्मता का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय संस्कृति में मीडिया के योगदान को समझ सकेंगे।
- आधुनिकता, वैश्वीकरण और मीडिया के प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय समाज की संरचना **(12 घंटे)**

- भारतीय सामाजिक संरचना के विभिन्न चरण
- रहन-सहन और जीवन मूल्य
- सांस्कृतिक विविधता और एकसूत्रता
- समाज के पुनर्निर्माण के विविध प्रयास

इकाई 2 : भारतीय संस्कृति एवं मीडिया **(12 घंटे)**

- संस्कृति क्या है ?
- संस्कृति : शास्त्र एवं लोक, सांस्कृतिक विकास के विविध सोपान
- भारतीय संस्कृति : व्यवधान एवं चुनौतियाँ (उदाहरण – लोक कलाओं का संरक्षण)
- सांस्कृतिक पुनरुत्थान का नया चरण

इकाई 3 : सामाजिक परिवर्तन और मीडिया **(12 घंटे)**

- भारत में सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पड़ाव और मीडिया
- सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की भूमिका
- सामाजिक परिवर्तन के विविध पक्ष और प्रश्न
- सामाजिक परिवर्तन की प्रतिनिधि पत्रिकाएं और समाचार पत्र (हरिजन, मूकनायक आदि)

इकाई 4 : समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और मीडिया **(9 घंटे)**

- समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों की मीडिया में प्रस्तुति
- सांस्कृतिक परिघटनाएं और रिपोर्टिंग

- संस्कृति : तकनीक, बाजार और मीडिया
- पारंपरिक एवं नई मीडिया का सामाजिक प्रभाव

व्यावहारिक कार्य (15 घंटे) :

- स्थानीय स्तर पर जाति, वर्ग या परिवार प्रणाली पर एक केस स्टडी तैयार करना।
- किसी ग्रामीण या आदिवासी क्षेत्र की संस्कृति या सामाजिक संरचना पर फील्ड विज़िट कर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी फिल्म, वेब सीरीज़ या टीवी कार्यक्रम में जाति/लिंग/धर्म की प्रस्तुति का विश्लेषण।

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, योगेंद्र; भारतीय समाज, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
2. आहूजा, राम; भारतीय संस्कृति का समाजशास्त्र, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
3. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. मोदी, नरेंद्र; संस्कृति का पाँचवाँ अध्याय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मजूमदार, डी.एन. व मदान, टी.एन.; भारतीय समाज की रूपरेखा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
6. बेते, आंद्रे; भारत में सामाजिक परिवर्तन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
7. जोशी, उमा; मीडिया और संस्कृति, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. गुप्ता, सुमन; भारतीय मीडिया और सामाजिक सरोकार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
स्नातकोत्तर
सेमेस्टर - 1 – GE
पत्रकारिता और भारतीयता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE **पत्रकारिता और भारतीयता**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भारतीयता की अवधारणा से परिचित करवाना।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारिता की भूमिका को रेखांकित करना।
- राष्ट्रवादी विचारधारा के निर्माण में मीडिया के योगदान को स्पष्ट करना।
- प्रमुख राष्ट्रवादी पत्रकारों व उनके प्रकाशनों का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में पत्रकारिता की भूमिका को समझ सकेंगे।
- भारतीयता की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- प्रमुख राष्ट्रवादी पत्र-पत्रिकाओं व पत्रकारों के योगदान का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समकालीन राष्ट्रवादी विमर्श में मीडिया की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीयता की अवधारणा **(12 घंटे)**

- भारतीयता की संक्षिप्त रूपरेखा
- भारत और भारतीयता
- भारतीयता का नया संदर्भ : आत्मगौरव
- भारतीयता का वैश्विक संदर्भ

इकाई 2 : स्वाधीनता आंदोलन की पत्रकारिता और भारतीयता **(12 घंटे)**

- भारतीयता की सांस्कृतिक चेतना
- भारतीयता की राजनीतिक चेतना
- भारतीयता की चेतना से उत्पन्न आंदोलन और मीडिया
- प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं एवं उनका योगदान

इकाई 3 : प्रमुख पत्रकार **(12 घंटे)**

[निर्देश – प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा निम्नलिखित पत्रकारों में से अध्ययन हेतु चार पत्रकारों के नाम निर्धारित किए जाएंगे।]

- बिपिन चंद्र पाल
- महात्मा गांधी
- गणेश शंकर विद्यार्थी
- महादेवी वर्मा

हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

- बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर
- हेमंत कुमारी देवी चौधरानी
- बाबूराव विष्णु पराड़कर
- ऊषा मेहता
- माधवराव सप्रे
- अक्षय कुमार जैन
- राजेन्द्र माथुर
- प्रभाष जोशी

इकाई 4 : प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं **(9 घंटे)**

- धर्मयुग
- दिनमान
- रविवार
- साप्ताहिक हिंदुस्तान

व्यावहारिक कार्य (15 घंटे)

- स्वतंत्रता आंदोलन के किसी चरण में प्रेस की भूमिका पर एक खोजी रिपोर्ट तैयार करना। (उदाहरण: 1857 की क्रांति में पत्रकारिता।)
- किसी एक राष्ट्रवादी पत्रकार के योगदान पर एक विज़ुअल प्रजेंटेशन या जीवनीपरक फीचर तैयार करना।
- किसी समकालीन मुद्दे पर राष्ट्रवाद से जुड़े मीडिया विमर्श का विश्लेषण।

सहायक ग्रन्थ :

1. *भारतीय पत्रकारिता का इतिहास*, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, भोपाल
2. कुमार, आनंद; *गांधी और पत्रकारिता*, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
3. जोशी, नवीन; *मीडिया और भारतीय राष्ट्रवाद*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. संबंधित राष्ट्रीय अभिलेखागार, प्रेस दस्तावेज
5. सिंह, बच्चन और सिंह, डॉ. वशिष्ठ नारायण; बनारस के यशस्वी पत्रकार; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. शुक्ला, संतोष कुमार; माधवराव सप्रे- व्यक्तित्व एवं कृतित्व; मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ एकेडमी, भोपाल
7. Sharma, Sunil; Journalist Gandhi (Selected Writings of Gandhi), Gandhi Book Center, Bombay Sarvodaya Mandal, Mumbai
8. Murthy, D V; Gandhi and Journalism, Kaniska Publication
9. Rao, A.B.S.V. Ranga, Murthy, D V and others; Gandhi, Peace and Journalism, Radha Publications
10. Hofmeyr, Isabel; Gandhi's Printing Press, Harvard University Press
11. Das, Prof. Biswajit; Gandhian Thought and Communication
12. Natarajan, J.; Indian Journalism: A History of Press in India, Publications Division, New Delhi
13. Raghavan, G.N.S.; *The Press in India*, National Book Trust, New Delhi

दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

स्नातकोत्तर

सेमेस्टर - 1 – GE

फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE **फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को फ़िल्म और कला पत्रकारिता की मूलभूत समझ प्रदान करना।
- सिनेमा, थिएटर, पेंटिंग, संगीत, साहित्य आदि की मीडिया रिपोर्टिंग में दक्षता विकसित करना।
- फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार के नए माध्यमों की समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक आलोचना, सौंदर्यशास्त्र और रचनात्मक लेखन में अभिरुचि और क्षमता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी फ़िल्म और कला से जुड़े क्षेत्रों की समीक्षा और रिपोर्टिंग करने में सक्षम होंगे।
- समीक्षा लेखन में आलोचनात्मक दृष्टिकोण और भाषा शैली का प्रभावी उपयोग कर सकेंगे।
- सांस्कृतिक आयोजनों, फिल्म फेस्टिवल, कला प्रदर्शनी आदि की समाचार कवरेज तैयार कर सकेंगे।
- फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता के क्षेत्र में संचार के नए माध्यमों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : फ़िल्म पत्रकारिता का उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- फ़िल्म पत्रकारिता क्या है ?
- फ़िल्म पत्रकारिता का इतिहास
- वैश्विक फ़िल्म पत्रकारिता
- भारतीय फ़िल्म पत्रकारिता

इकाई 2 : फ़िल्म पत्रकारिता का स्वरूप **(12 घंटे)**

- फ़िल्म समाचार लेखन एवं उसके प्रकार
- फ़िल्म समीक्षा
- फ़िल्म साक्षात्कार
- फ़िल्म विज्ञापन
- फ़िल्म निर्माण की प्रक्रिया और पत्रकारिता : पटकथा, कैमरा, साउण्ड, निर्देशन आदि

इकाई 3 : कला पत्रकारिता का उद्भव और विकास **(12 घंटे)**

- कला पत्रकारिता क्या है ?
- कला पत्रकारिता का इतिहास : भारत एवं विश्व
- कला समीक्षा एवं उसके मानदंड
- क्षेत्रीय कलाओं एवं संस्कृति का कवरेज एवं उसकी रिपोर्टिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय 27/5/25

इकाई 4 : लेखन शैली और डिजिटल युग (12 घंटे)

- संचार के नए माध्यम : फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता
- सोशल मीडिया और फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता
- पॉडकास्टिंग एवं वीडियो-निर्माण : फ़िल्म एवं कला
- फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता में संप्रेषण के विविध तत्व

व्यावहारिक कार्य (15 घंटे)

- किसी हालिया फ़िल्म की समीक्षा (500 शब्दों में)।
- रूपंकर कलाओं की समीक्षा – गीत, संगीत, नृत्य, नाटक आदि।
- कला प्रदर्शनी या थिएटर शो पर रिपोर्ट तैयार करना।
- एक कलाकार/फिल्मकार के साथ काल्पनिक साक्षात्कार की रचना।
- फिल्म/आर्ट ब्लॉग लेखन (टेक्स्ट या वीडियो)।
- किसी ऑनलाइन कला पोर्टल की सामग्री का विश्लेषण।

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, डॉ. शैलेंद्र; फ़िल्म और कला समीक्षा, समन्वय प्रकाशन, प्रयागराज
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; समीक्षा और सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मृत्युंजय; हिन्दी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन
4. गुप्ता,चिदानन्द दास; सत्यजीत राय का सिनेमा, नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन
5. बिसारिया, डॉ पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली
6. सिंह, हरमल; फिल्में कैसे बनती है, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
7. ब्रह्मात्मज,अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन
8. Boggs, Joseph M. & Petrie, Dennis W.; The Art of Watching Films, McGraw-Hill Education, New York
9. Stovall, James Glen; Writing for the Mass Media, Pearson Education, New York

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय